पाठ 15. भारत-दर्शन

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों भारत के विभिन्न दर्शनीय स्थलों से परिचित करवाना है। इस पाठ द्वारा बच्चे भारत के अलग-अलग राज्यों में बसे सभ्यता-संस्कृति के खजाने को विस्तार से समझ पाएँगे।

पाठ का सारांश

इस पाठ में पटना, लखनऊ, नैनीताल तथा पोर्ट ब्लेयर के प्रसिद्ध दर्शनीय स्थलों, वहाँ की विशेषताओं, खान-पान, ऐतिहासिक महत्व आदि के बारे वर्णन किया गया है।

पटना तथा लखनऊ शहर का यह नाम किस कारण पड़ा तथा पोर्ट ब्लेयर की सेल्युलर जेल का इतिहास आदि की जानकारी इस पाठ से मिलती है।

अध्यापन संकेत

बच्चों से घूमने-फिरने संबंधी चर्चा करें। पूछें, वे गर्मियों की छुट्टियों में कहाँ-कहाँ घूमने जा चुके हैं? अथवा उन्हें घूमना कैसा लगता है?

उन्हें बताएँ, इस पाठ में हम भारत की चार जगहों की विशेषताएँ, दर्शनीय स्थल आदि को जानेंगे। बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। बीच-बीच में उन्हें इन स्थानों के बारे में कुछ और विशेष बातें भी बताई जा सकती हैं, जो आप जानते/जानती हो। बच्चों से पूछें कि वे इनमें से किसी जगह पर परिवार के साथ घूमने गए हैं। यदि हाँ तो उनसे उनका अनुभव सुनाने को कहें।

- ❖ क्या कोई ऐसी जगह है जहाँ वे जाना चाहते थे पर अभी तक नहीं जा पाए हैं या फिर कोई ऐसी जगह जहाँ वे बार-बार जाना चाहते हैं।
- ❖ पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताते जाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।